वाणिज्य महाविद्यालय का अलग ही क्रेज

कॉमर्स संकाय को नयी दिशा देने की योजना हमने तैयार की है। नए सत्र में हम छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराएंगे। महाविद्यालय का जर्नल निकाला जाएगा। नेशनल स्तर के सेमिनार कराए जाएंगे। स्पोर्ट्स एक्टिविटी भी बढ़ाई जाएगी।

डॉ. उमेश मिश्र, प्राचार्य, वाणिज्य महाविद्यालय

अभिषेक कुमार

वाणिज्य महाविद्यालय को कॉमर्स की पढ़ाई के मामले में सूबे का श्रेष्ठ कॉलेज माना जाता है। हालांकि इसके पास अपना कोई भवन नहीं है। फिर भी आजतक इसने अपना स्तर गिरने नहीं दिया है। कॉलेज में परंपरागत पाठ्यक्रम के साथ-साथ शुरू हुए व्यावसायिक कोर्स भी काफी लोकप्रिय हुए हैं। पटना विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार घोषणा करता रहा है कि इस कॉलेज को शीघ्र अपना भवन उपलब्ध करा दिया जाएगा लेकिन अब तक यह संभव नहीं हो पाया है। छात्रों के बीच कॉलेज को लेकर क्रेज है

छात्रों के लिए कॉमन रूम है

यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए अलग से कॉमन रूम की व्यवस्था है। कॉमन रूम में टेबुल टेनिस, कैरमबोर्ड, शतरंज की व्यवस्था है। पत्रिकाएं व अखबार भी उपलब्ध कराये जाते हैं। कॉलेज में क्रिकेट की अलग टीम भी है। हालांकि इसका अपना ग्राउंड नहीं है। पटना कॉलेज के मैदान में ही यहां के छात्र खेलते हैं।

हॉस्टल की सुविधा

वाणिज्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल की सुविधा है। छात्रों के लिए रानीघाट में हॉस्टल बनाया गया है। छात्राओं के लिए जीडीएस और गंगा छात्रावास हैं। यहां पर कैंटिन की भी व्यवस्था है।

जल्द होगा अपना भवन

कॉलेज प्रशासन इस कोशिश में जुटा है कि जल्द से जल्द कॉलेज का अपना भवन हो जाए। कॉलेज को भवन निर्माण के लिए 23 लाख रुपये का ग्रांट उपलब्ध कराया था। लगभग 20 वर्ष से यह राशि बैंक में जमा है।

वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई होती है

कॉलेज में कॉमर्स के अलावा मैथिली, उर्दू व समाजशास्त्र विभाग भी है। हाडिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट व डिग्री इन बिजनेस मैनेजमेंट की भी पढ़ाई होती थी। अब एप्लायड इकॉनोमिक्स एंड कॉमर्स विभाग में इसको स्थानांतरित कर दिया गया है।

नामचीन हस्तियां

सैयद नेयर हुसैन (न्यायाधीश), श्याम रजक (पूर्व मंत्री बिहार), संतोष मेहता उपमहापौर (वर्तमान), मोतीलाल खेतान (पूर्व अध्यक्ष बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स), मनोज कुमार (चार्टर्ड एकाउंटेंट), डॉ. चंद्रमा सिंह (पूर्व बिहार विधान परिषद सदस्य), मिथिलेश कुमार सिंह (चार्टर्ड एकाउंटेंट), दिलीप कुमार अग्रवाल (चार्टर्ड एकाउंटेंट)।

पदनाम	स्वीकृत पद	कार्यरत बल
प्राचार्य	01	01
कॉमर्स	16	08
अर्थशास्त्र	06	01
अंग्रेजी	04	01
हिंदी	01	01
कुल	28	12